

मुकाम मैराथन 2026

एक रूपरेखा

यह हर्ष का विषय है कि मुकाम मैराथन प्रथम संस्करण के छः वर्ष पश्चात, द्वितीय संस्करण दिनांक 15 फरवरी, 2026, वार रविवार, महाशिवरात्रि के दिन प्रातःकाल 06:00 बजे आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

प्रथम संस्करण में मुकाम पीठ के पीठाधीश्वर पूज्य संत शिरोमणि स्वामी श्री रामानंद जी महाराज के सानिध्य में आखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के पदाधिकारियों, समाज के शिक्षकगण, जिसमें विशेष रूप से खेल प्रशिक्षक व शारीरिक शिक्षकगण, खेल प्रतिभाएं, साइक्लिस्ट, राजनीतिज्ञ, न्यायिक अधिकारी व अधिवक्तागण, प्रशासनिक अधिकारीगण, पुलिस अधिकारीगण, चिकित्सक व अभियंतागण, केंद्रीय शस्त्र बलों, सी.ए.पी.एफ., राजस्थान पुलिस बल के महिला एवं पुरुष धावकों और आम नागरिक तथा सर्वसमाज के महिला और पुरुष प्रतिभागियों द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया था और आयोजन को भव्य बनाया गया था। श्रीमान खम्मूराम की टीम द्वारा मैराथन को प्लास्टिक मुक्त व पर्यावरण हितैषी बनाने में विशेष योगदान रहा।

मुकाम मैराथन के प्रथम संस्करण की भांति ही इस बार राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान' के साथ-साथ इस बार एक अन्य योजना 'एक पेड़ मां के नाम' के बैनर तले आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

Run for a cause के रूप में जहां प्रथम संस्करण द्वारा, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में करोड़ों वन्य जीव जंतुओं के आगजनी में जलकर भस्म हो जाने के प्रति संवेदना व्यक्त की गई थी, ठीक उसी प्रकार द्वितीय संस्करण में वन्यजीवों के रक्षार्थ 23 मई 2025 को अपने प्राणों को न्यौछावर कर देने वाले और डेजर्ट नेशनल पार्क, जैसलमेर के समीपवर्ती क्षेत्रों में राज्य पक्षी 'गोडावण मैन' के नाम से विख्यात वन्यजीव प्रेमी स्वर्गीय श्री राधेश्याम पेमाणी को अपने समाज के साथ-साथ सर्व समाज के प्रतिभागियों द्वारा इस दौड़ के माध्यम से सच्ची श्रद्धांजलि दी जाएगी।

वन्यजीव प्रेमी स्वर्गीय राधेश्याम पेमाणी द्वारा अपनी अल्पायु से ही मरुस्थलीय जैव विविधता एवं पारिस्थितिकी संतुलन को न केवल जाना व समझा गया, अपितु श्री गुरु महाराज जाम्भोजी की सूक्ति “जीव दया पालणी”, “रूख लीलो नहिं घावै” यथार्थ में चरितार्थ की गई। श्री गुरु महाराज का उक्त दर्शन कालांतर में पूरे विश्व में पर्यावरण जागरूकता एवं पारिस्थितिकी संतुलन का आधार बना। श्री गुरु महाराज जाम्भोजी के प्रकृति-प्रेम से रूबरू करवाने के लिए मुकाम, समराथल व पीपासर जैसे पावन धामों के मध्य तपोभूमि पर धावकों का दौड़ना अपने आप में एक अनूठा अनुभव होगा। मुकाम मैराथन की इस पहल से न केवल खेल को बढ़ावा देगी अपितु प्रतिभागियों में स्वास्थ्य और फिटनेस के साथ साथ प्रकृति के प्रति भी जागरूकता पैदा करेगी तथा दौड़ सभी खेलों की मां के रूप में होने से पुनः राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और समाज का नाम रोशन करने हेतु प्रेरित किया जा सके तथा खेल जगत के सभी पोटियम पर राष्ट्रगान के साथ तिरंगे झंडे को ऊंचा उठता देखे और संपूर्ण खुशियों से सरोबार करें—जय हिंद।

मुकाम मैराथन-2026 का शुभंकर

राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही दो फ्लैगशिप योजनाएं यथा ‘एक पेड़ मां के नाम’ तथा ‘निरोगी राजस्थान’



गोडावण मैन (GIB Man)

मैराथन का रूट

1. **हॉफ मैराथन (21.097 किलोमीटर)**- मुकाम बाईपास से समराथल होते हुए पीपासर रोड़ पर 21.097 किलोमीटर के मध्य अर्थात 10.5 किलोमीटर से घूमते हुए पुनः इसी रास्ते पर समराथल से होते हुए मुकाम बाईपास पर 'finish line' पर समाप्त होगी।

2. Cross Country (10 किलोमीटर)-मुकाम बाईपास से समराथल होते हुए पीपासर रोड़ पर 10 किलोमीटर पर समाप्त होगी।

3. Run for fun(धींगा रेस)(05 किलोमीटर)-मुकाम बाईपास से समराथल होते हुए पुनः मुकाम बाईपास पर समाप्त होगी।

पंजीयन शुल्क:- 500/- रुपये, जिसमें मुकाम मैराथन-2026 के शुभंकर(logo) लगी स्पोर्ट्स टी-शर्ट एवं प्रतिभागी द्वारा दौड़ को निर्धारित समय (हॉफ मैराथन -तीन घंटे, 10 किलोमीटर -सवा घंटे) में समाप्त करने पर finisher medal तथा BIB, जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी दौड़ का पूरा लेखा-जोखा वरेंक वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

नोट:- उक्त रजिस्ट्रेशन फीस केवल 10 किलोमीटर व हॉफ मैराथन के प्रतिभागियों के लिए रहेगी। Run for fun (धींगा रेस) के लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा एवं ना ही इन प्रतिभागियों को टी-शर्ट, मेडल अथवा BIB आवंटित किए जाएंगे।

मैराथन की समय-सारणी:-

दिनांक 15 फरवरी, 2026 को प्रातः 06:00 बजे सभी प्रतिभागी मैराथन स्थल मुकाम बाईपास पर दौड़ने की वेशभूषा में एकत्र हो जाएंगे। प्रातः 06:00 से 06:15 के मध्य मैराथन धावक कमांडेंट श्री राकेश प्री-मैराथन एक्सरसाइज करवाएंगे और 06:15 बजे गिनती के काउंट-डाउन के साथ मैराथन शुरू हो जाएगी। आयोजन के दौरान सुरक्षा, व्यवस्था, मेडिकल सपोर्ट, चल शौचालय, रूट मार्किंग और लॉजिस्टिक की भी व्यवस्था रहेगी। दौड़ के दौरान ऊर्जावान बनाए रखने हेतु फल व पेय पदार्थ की भी व्यवस्था रहेगी।

मैराथन के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सर्व समाज के व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक व इंस्टाग्राम पेज, यूट्यूब चैनल के साथ-साथ प्रथम संस्करण की भांति जम्भसार मीडिया, एस. के. कलर लैब द्वारा इस संस्करण में भी जिम्मा उठाया जा रहा है।

इस मैराथन को हरी झंडी, खेल जगत की महत्वपूर्ण हस्ती द्रोणाचार्य अवॉर्ड श्री महावीरसिंह, ओलंपियन श्री जगदीश व अर्जुन अवॉर्ड श्री कृपाशंकर के साथ-साथ वन्यजीव प्रेमी स्व. श्री राधेश्याम के पिता श्री खियाराम गोदारा व शौर्य चक्र विजेता स्व. श्री निहालचंद के पिता श्री हनुमान धारणिया आदि महानुभाव दिखाते हुए प्रारंभ करेंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि मैराथन की समाप्ति के पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह में मेडल, गुरु महाराज के आदर्शों पर चलने वाले पुरुष व महिलाओं द्वारा बिश्नोई समाज की पारंपरिक वेशभूषा में पहनाएं जाएंगे, जिससे कि समाज की संस्कृति का संवर्द्धन हो सके।

पुरस्कार राशि:- पुरस्कार राशि के संबंध में अंतिम निर्णय प्रतिभागियों की संख्या के आधार पर वेबसाइट पर दर्शा दिया जाएगा, जो कि अधिक से अधिक श्रेणी, जैसे कि 20 वर्ष से 35 वर्ष, 35 वर्ष से 45 वर्ष, 45 वर्ष से 55 वर्ष, 55 वर्ष के ऊपर की आयु श्रेणी में महिला व पुरुष वर्ग की पृथक-पृथक रहेगी।

रजिस्ट्रेशन के लिए पात्रता:-

1. **Half Marathon** के लिए 18 वर्ष से अधिक।
2. **Cross Country** के लिए 14 वर्ष से अधिक।
3. **Run for fun (धींगा रेस)** के लिए सभी उम्र के महिला-पुरुष व बालक-बालिकाएं।

इस मैराथन के उद्देश्य:-

1. राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'एक पेड़ मां के नाम' तथा 'निरोगी राजस्थान' का प्रचार-प्रसार एवं उक्त योजनाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं निरोगी राजस्थान का संदेश जन-जन तक पहुंचाना।
2. वन्यजीव प्रेमी स्वर्गीय श्री राधेश्याम पेमाणी के द्वारा अपने संपूर्ण जीवन को जैव विविधता व वन्य जीव-जंतुओं के संरक्षण हेतु समर्पित करते हुए तथा 'one man army' के रूप में स्वयं एक संस्था होने जैसे आदर्शों पर चलने हेतु युवाओं को आव्हान करना।
3. युवाओं में राष्ट्र भक्ति की भावना व खेलों के प्रति जुनून पैदा करना, जिससे वे नशे की प्रवृत्ति की ओर उन्मुख नहीं हो तथा जैव विविधता, वन्य जीव-जंतुओं, पर्यावरण हितैषी तंत्र बाबत

जागरूकता।

4. वर्तमान पीढ़ी का स्क्रीन टाइम घटाकर एवं बढ़ते सोशल मीडिया के गम्भीर प्रभावों से दूर रखने तथा जंक व फास्ट फूड्स की प्रवृत्ति को त्याग कर, एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाए।

5. युवाओं को खेल जगत के उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं सशस्त्र सेनाओं में अदम्य साहस व शौर्य दिखाने वाले सैनिकों (warriors) तथा वन्य जीव-जंतुओं के संरक्षण हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान(supreme sacrifice) देने वाले भूले-बिसरे नायकों (Forgotten Heroes) की वीरगाथाओं से परिचय करवाना।

आयोजक:-For the nature, Of the nature, By the nature